[हमारे अतीत भाग -3] 6 बुनकर, लोहा बनाने वाले और फैक्ट्री मालिक

प्रश्न 1 यूरोप में किस तरह के कपड़े की भारी माँग थी।

उत्तर : यूरोप में छापेदार बारीक सूती कपड़े की भारी माँग थी।

प्रश्न 2. जामदानी क्या है?

उत्तर: जामदानी एक तरह का बारीक मलमल होता है जिस पर करघे में सूती और सोने के धागों का इस्तेमाल करके सजावटी चिह्न बुने जाते हैं। इनका रंग सलेटी और सफेद होता था।

प्रश्न 3 बंदाना क्या है?

उत्तर: 1.यह शब्द हिन्दी के 'बांधना' शब्द से निकला है। इस श्रेणी में चटक रंग वाले ऐसी बहुत सी किस्म के कपड़े आते थे जिन्हें बाँधने और रंगसाजी की विधियों से बनाया जाता था।बंडाना शब्द का इस्तेमाल गले

प्रश्न 4 अगरिया कौन होते हैं

उत्तर अगरिया लौह प्रगालकों का समूह जो लोहा बनाने में माहिर होते थे ये समूह मध्य भारत के गाँव में रहते थे।

प्रश्न 5 रिक्त स्थान भरें:

(क)अंग्रेजी का शिन्टज शब्द हिंदी के **छींट** शब्द से निकला है।

(ख) टीपू की तलवार वुट्ज़ स्टील से बनी थी।

(ग) भारत का कपड़ा निर्यात **उन्नीसवी** सदी में गिरने लगा।

प्रश्न 6 विभिन्न कपड़ों के नामों से उनके इतिहासों के बारे में क्या पता चलता है

उत्तर: 1.यूरोप के व्यापारियों ने कपड़ा ईराक मे मोसूल शहर में अरब के व्यापारियों के पास देखा था बारीक बुनाई वाले सभी कपड़ों को वे मस्लिन (मलमल) कहने लगे।

2.पुर्तगाली जब भारत आयें तो उन्होंने केरल के तट पर कालीकट में डेरा डाला और यहाँ से सूती कपड़ा अपने साथ ले गए। कालीकट के निकले शब्द के आधार पर सूती कपड़े को कैलिकों कहने लगे।

3. छापेदार सूती कपड़े को टिज कोसा और बंडाना कहा जाता था अंग्रेजी का शिन्टज शब्द हिंदी के छीट शब्द से निकला है, छोट रंगीन फूल-पत्ती वाले छोटे छोपे के कपड़े को कहा जाता है।

प्रश्न 7. इंग्लैंड के ऊन और रेशम उत्पादकों ने अठारहव सदी की शुरुआत में भारत से आयात होने वाले कपड़े का विरोध क्यों किया था

GUPS 7DPN

उत्तर: इंग्लैण्ड में भारतीय कपड़े को लोकप्रियता काफी बढ़ चुकी थी। इंग्लैंड में नए-नए कारखाने खुल रहे थे और अंग्रेज कपड़ा उत्पादक चाहते थे कि पूरे इंग्लैंड में केवल उनका कपड़ा ही बिके इसलिए इंग्लैण्ड के ऊन और रेशम उत्पादकों ने अठारहवीं सदी की शुरुआत में भारत से आयात होने वाले कपड़े का विरोध किया था।

प्रश्न 8 ब्रिटेन के कपास उद्योग के विकास से भारत के कपड़ा उत्पादकों पर किस तरह के प्रभाव पड़े

उत्तर: ब्रिटेन में सूती कपड़ा उद्योग के विकास से भारत के कपड़ा उत्पादकों पर कई तरह के असर पड़े-

1.भारतीय कपड़े को यूरोप और अमरीका के बाजारों में ब्रिटीश उद्योग में बने कपड़ों से मुकाबला करना पड़ता था।

2.ब्रिटिश सरकार ने भारत से आने वाले कपड़े पर भारी सीमा शुल्क लगा दिया जिसमें भारत के कपड़े का निर्यात मुश्किल हो गया।

प्रश्न 9 उनीसवीं सदी में भारतीय लौह प्रगलन उद्योग का पतन क्यों हुआ

उत्तर: उन्नीसवीं सदी में भारतीय लौह प्रगलन उद्योग के पतन के निम्नलिखित कारण थे

1. औपनिवेशिक सरकार ने आरक्षित बनों में लोगों के प्रवेश पर पाबन्दी लगा दी जिससे कोयले के लिए लकड़ी मिलना कठिन हो गया।

2. कुछ क्षेत्रों में सरकार ने जंगलों में जाने की अनुमति दी लेकिन प्रगालकों को अपनी भट्टी के लिए भारी कर चुकाना पड़ता था जिससे उनको आय गिर जाती थी।

3. भारतीय लुहार घरेलू बर्तन और औजार बनाने के लिए ब्रिटेन से आयातित लोहे का इस्तेमाल करने लगे। इस वजह स्थानीय प्रगालकों द्वारा बनाए मोह की माँग कम होने लगी।

प्रश्न 10.भारतीय वस्त्रोद्योग को अपने शुरूआती सालों में किन समस्याओं से जूझना पड़ा

उत्तर भारतीय वस्त्रोद्योग को अपने शुरूआती सालों में निम्नलिखित समस्याओं से जूझना पड़ा

1. सबसे पहली समस्या तो यह थी कि इस उद्योग को ब्रिटेन से आये सस्ते कपड़े का मुकाबला करना पड़ा।

2. अधिकतर देशों में सरकार आयातित वस्तुओं पर सीमा शुल्क लगाकर अपने देश में औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देती थी लेकिन औपनिवेशिक भारतीय सरकार ने ऐसा कोई कदम नहीं उठाया।

प्रश्न 11. पहले महायुद्ध के दौरान अपना स्टील उत्पादन बढ़ाने में टिस्को को किस बात से मदद मिली

उतर: जब पहला विश्व युद्ध शुरू हुआ तो ब्रिटेन में बनने वाले इस्पात को यूरोप में युद्ध संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में झोंक दिया। जिससे भारत आने वाले ब्रिटिश स्टील को मात्रा में भारी गिरावट आयी और रेल की पटरियों के लिए भारतीय रेलवे टिस्को पर आश्रित हो गया। जब युद्ध लम्बा चला तो टिस्को को युद्ध के लिए गोलों के खोल और रेलगाड़ी के पहिये बनाने का काम भी सौंप दिया

गया। टिस्को में बनने वाले 90 प्रतिशत इस्पात को सरकार ही खरीद लेती थी और इस तरह टिस्को ब्रिटिश साम्राज्य में इस्पात का सबसे बड़ा कारखाना बन गया।

Notes prepared by Lekhram Chaudhary & Tejpal Sharma [Team GUPS 7DPN – Bhadra]

डाउनलोड करें दुसरे विषयों के नोट्स पीडीऍफ़ में Click Here

GUPS 7DPN